आउटकम बजट 2021 – 22

शहरी विकास विभाग

विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित एस०डी०जी० : एस०डी०जी० – 11

(धनराशि लाख में)

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
	राज्य सेक्टर								
1	–	शहरी विकास निदेशालय कार्यालय अधिष्ठान	429.98	0	निदेशालय के अधिकारियों हेतु का वेतन भुगतान तथा कार्यालय सम्बन्धी अन्य व्यय	–	–	–	2021–22
2	नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास	इस परियोजना का उद्देश्य स्थानीय निकायो की सीमान्तर्गत मूल–भूत नागरिक सुविधाये यथा– ड्रैनेज व्यवस्था, सड़क, गलियों, नालियों का निर्माण/सुधार विषयक परियोजनाए आदि हेतु नगर निकायों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। स्वीकृत की जाती है।	350.00	1500.00	03 निकायों में अवस्थापना विकास जैसे नाला, नालियों, खडंजा, सुरक्षा दीवार, पार्किंग आदि 468 योजनाओं का निर्माण कार्य किया गया।	40 निकायों में अवस्थापना विकास जैसे नाला, नालियों, खडंजा, सुरक्षा दीवार, पार्किंग आदि का निर्माण।	नगरीय निकायो में अवस्थापना विकास जैसे नाला, नालियों, खडंजा, सुरक्षा दीवार, पार्किंग आदि का निर्माण।	नगरीय अवस्थापना में विकास किया जायेगा। जिससे नगरीय क्षेत्रों में खराब नाले सड़को ड्रेनेज तथा निकाय क्षेत्र के अन्तर्गत पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ हो जायेगी।	2021–22
3	आवारा श्वान पशु बध्याकरण	आवारा निराश्रित श्वानवंशीय पशुओं की जनसंख्या नियंत्रण हेतु आवारा श्वानवंशीय बंध्याकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके द्वारा ए0बी0सी0 कैम्पस (Animal Birth Control) की स्थापना की गयी है।	100.00	100.00	न0पा0परि0 नैनीताल/मसूरी तथा न0नि0 देहरादून में बध्याकरण(ABC Campus) का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान तक देहरादून में 22185, मसूरी में 565, नैनीताल में 1423 कुल 24173 पशुओं का बाध्यकरण शल्य चिकित्सा पूर्ण कर लिये गये है।	वर्तमान तक देहरादून में 27158, मसूरी में 897, नैनीताल में 1576 कुल 29631 पशुओं का बाध्यकरण शल्य चिकित्सा पूर्ण कर लिये गये है। न0पा0परि0 डोईवाला में 1000 एवं न0पं0 भीमताल में 102 पशुओं का बाध्याकरण सम्भावित है। नगर निगम रूद्रपुर, हल्द्वानी, रूड़की,	रूद्रपुर, हल्द्वानी, रूड़की, काशीपुर में ए0बी0सी0 कैम्पस का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। न0पा0परि0 पिथौरागढ़ में ए0बी0सी0 कैम्पस का निर्माण कार्य कराया जाना है। नगर निगम ऋषिकेश एवं कोटद्वार में ए0बी0सी0 कैम्पस का निर्माण प्रस्तावित है।	ए0बी0सी0 कैम्पस की स्थापना के उपरान्त निकाय क्षेत्र में आवारा घूम रहे श्वान पशुओं की जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण सम्भव हो सकेगा।	2021–22

					रूद्रपुर, हल्द्वानी, रूड़की, काशीपुर में ए0बी0सी0 कैम्पस का निर्माण कार्य प्रगति पर है।	काशीपुर एवं न0पा0परि0 पिथौरागढ़ में ए0बी0सी0 कैम्पस का निर्माण कार्य प्रगति पर है। तथा नगर निगम ऋषिकेश एवं कोटद्वार में ए0बी0सी0 कैम्पस का निर्माण प्रस्तावित है।	आवारा पशुओं का बाध्याकरण शल्य चिकित्सा की जायेगी एवं एबीसी कैम्पस का संचालन किया जाना है।		
4	**(UA-URIF)** उत्तरांखण्ड शहरी स्थानीय निकाय सुधार प्रोत्साहन निधि	योजना के अन्तर्गत उन न्रगर निकायो को प्रोत्साहनस्वरूप प्रतिवर्श पुरूस्कृत किया जाएगा, जिनके द्वारा कूड़ा एकत्रीकरण, पृथक्कीकरण, जैविक अपशिष्ट का उपचार, अजैविक अपशिष्ट का पुनर्चक्रीकरण एवं पुर्नउपयोग तथा शेष बचे अपशिष्ट का वैज्ञानिक भू–भरण करके निकाय क्षेत्र को स्वच्छ रखने का प्रयास करेगें।	100.00	0	09 निकायों को (न0नि0 रूड़की, काशीपुर, हल्द्वानी, न0पा0परि0, गौचर, मुनिकीरेती, चमोली, नगर पंचायत, अगस्तमुनी, गजा, शक्तिगढ़) को धनराशि वितरण।	09 निकायों को (नगर निगम देहरादून, रूड़की, काशीपुर, नगर पालिका परिषद, मुनिकीरेती, रामनगर, नरेन्द्रनगर, नगर पंचायत, ऊखीमठ, भीमताल, अगस्तमुनी) को धनराशि वितरण	शहरी स्थानीय निकायों को अभिनव कार्यों के लिए प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया जाना प्रस्तावित है।	शहरी स्थानीय निकायों को अभिनव कार्यों के लिए प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया जाना प्रस्तावित है ताकि उनके द्वारा निकाय क्षेत्र में बेहतर काम करने का प्रयास कर सकें।	2021–22
5	पार्को की स्थापना	राज्य में स्थित नगरों को सुन्दर बनाने के दृष्टिगत समस्त नगर निकायों को एक बार पार्को के निर्माण तथा वर्तमान में स्थित पार्को को सुदृढ़ीकरण किये जाने हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा की गयी है, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक नगर निकाय को रू0 10.00 लाख की वित्तीय सहायता अनुमन्य की जायेगी।	50.00	0	न0पा0परि0 चम्पावत तथा नगर पंचायत, लोहाघाट में पार्क निर्माण हेतु धनराशि अवमुक्त।	न0पा0परि0 चम्पावत तथा नगर पंचायत, लोहाघाट में पार्क निर्माण की कार्यवाही गतिमान।	न0पा0परि0 डोईवाला, कर्णप्रयाग एवं पुरोला से सम्बन्धित डी0पी0आर0 शासन को प्रेषित की गयी है।	नगरों को सुन्दर बनाने एवं नगर निकायों में एक बार पार्को के निर्माण तथा वर्तमान में स्थित पार्को का सुदृढ़ीकरण।	2021–22
6	रैन बसेरों का निर्माण	इस योजनान्र्तगत नगर निकायो में आश्रयहीन लोगों के लिए रैन बसेरों का निर्माण कराया जाता है। प्रशनगत योजना के अन्तर्गत नवगठित 5 नगर निकायों में रैन बसेरों का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।	0	100.00	कर्णप्रयाग में रैन बसेरे का निर्माण।	कर्णप्रयाग में रैन बसेरे का निर्माण की द्वितीय किस्त अवुक्त की गयी है।	बड़कोट, अल्मोड़ा चमियाला में 01 रैन बसेरों का निर्माण कार्य किये जाने का प्रस्ताव शासन को प्रेषित।	शहरी क्षेत्रों में आश्रयहीन गरीब लोगों को रात्रि विश्राम, ठहरने हेतु स्थान उपलब्ध कराया जाता है, जिसमें शौचालय, बिस्तर, पानी आदि की निःशुल्क व्यवस्था होती है।	2021–22

7	सफाई कर्मचारियों हेतु पारितोषिक योजना	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के कार्य की विषमता को दृष्टिगत रखते हुए उनको पारितोषिक इस योजना के अन्तर्गत उपलब्ध कराया जाना है	20.00	0	धनराशि अवमुक्त नहीं की गई	धनराशि अवमुक्त नहीं की गई	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को पारितोषिक	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को पारितोषिक तथा सामाजिक सुरक्षा ताकि वे बेहतर काम करने का प्रयास कर सकें।	2021–22
8	सफाई कर्मचारियों हेतु स्वास्थ्य आरोहण योजना	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य के हितों की रक्षा के दृष्टिगत ये योजना प्रारम्भ की गई है	20.00	0	धनराशि अवमुक्त नहीं की गई	धनराशि अवमुक्त नहीं की गई	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य के हितों की रक्षा	नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य के हितों की रक्षा ताकि वे बेहतर काम करने का प्रयास कर सकें।	2021–22
9	हाईटैक शौचालय	पर्यटकों तथा यात्रियों को सुविधा देने के लिए नगर निकायों ने शहर में प्रवेश करने वाली सभी सड़कों की शुरुआत में हाईटेक शौचालय और स्नानागार बनाने का फैसला लिया है। इन्हें पीपीपी मोड में दिया जाएगा, ताकि स्वच्छता बनी रही। शौचालय न सिर्फ आम वर्ग ही नहीं बल्कि उच्च वर्ग के लिए भी ध्यान में रखकर बनाए जाएंगे।	0	500.00	सुलभ इन्टरनेषनल के माध्यम से 08 निकायों (टिहरी, रूड़की, बड़कोट, चम्बा, गंगोत्री, घनसाली टनकपुर, खटीमा) में हाईटैक शौचालय का निर्माण किया गया।	बद्रीनाथ, धारचूला तथा खटीमा में हाईटैक शौचालय का निर्माण गतिमान।	पिथौरागढ़ तथा गैरसैण में हाईटैक शौचालय का निर्माण का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किये जाने की कार्यवाही गतिमान।	यात्रियों तथा नागरिकों को स्वच्छ शौचालय की सुविधा प्राप्त होगी तथा निकाय अन्तर्गत स्वच्छता में सुधार होगा।	2021–22
10	–	राज्य नगरीय पर्यावरण परिषद, उत्तराखण्ड।	46.00	0	राज्य नगरीय पर्यावरण परिषद अन्तर्गत नियुक्त मा0 अध्यक्ष, मा0 उपाध्यक्ष एवं अन्य स्टाफ का वेतन एवं कार्यालय भवन किराया तथा अन्य प्रशासनिक व्यय का भुगतान किया गया।	–	–	–	2021–22

आउटकम बजट 2021–22

(धनराशि लाख रु0 में)

शहरी विकास विभाग– दीनदयाल अन्त्योदय योजना–राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY NULM) एस0डी0जी0: **SDG - 1**

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	प्रस्तावित आउट–ले		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
1	दीनदयाल अन्त्योदय योजना–राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY NULM)	शहरी क्षेत्र में रह रहे गरीब परिवारों का सामाजिक व आर्थिक क्षमता विकास करते हुये प्रशिक्षण तथा वित्तीय सहायता के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना एवं उनकी आजीविका को मजबूत करना है। जिससे वह सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें।	1206.50	301.50	(i) योजनान्तर्गत 17560 लाभार्थियों को कौशल रोजगार प्रशिक्षण दिया गया। (ii) सामाजिक संगठन एवं संस्था4 विकास के अन्तर्गत 1403 महिला स्वयं सहायता समूहों एवं 13 क्षेत्र स्तरीय संघ का गठन 13620 महिलाओं का आजीविका संवर्द्धन। (iii) स्व–रोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत 4165 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया गया। (iv) शहरी पथ विक्रेताओं हेतु सहायता के अन्तर्गत 14210 वेण्डर को पहचान पत्र वितरित। (v) शहरी निराश्रितों हेतु 14 आश्रय का का निर्माण स्वीकृत जिसके सापेक्ष 10 आश्रयों का संचालन, 01 का निर्माण पूर्ण व 03 निर्माणाधीन	(i) योजनान्तर्गत 620 लाभार्थियों को कौशल रोजगार प्रशिक्षण दिया गया। (ii) सामाजिक संगठन एवं संस्था विकास के अन्तर्गत 430 महिला स्वयं सहायता समूहों एवं 13 क्षेत्र स्तरीय संघ का गठन 4300 महिलाओं का आजीविका संवर्द्धन। (iii) स्व–रोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत 870 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया गया। (iv) शहरी पथ विक्रेताओं हेतु सहायता के अन्तर्गत 19783 वेण्डर को पहचान पत्र वितरित। (v) शहरी निराश्रितों हेतु 14 आश्रय का का निर्माण स्वीकृत जिसके सापेक्ष 10 आश्रयों का संचालन, 01 आश्रय नगर निगम देहरदून का संचालन प्रारम्भ व 03 निर्माणाधीन।	(i) योजनान्तर्गत 2000 लाभार्थियों को कौशल रोजगार प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है। (ii) सामाजिक संगठन एवं संस्था विकास के अन्तर्गत 300 महिला स्वयं सहायता समूहों एवं 12 क्षेत्र स्तरीय संघ का गठन 3000 महिलाओं का आजीविका संवर्द्धन। (iii) स्व–रोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत 900 लाभार्थियों को ऋण वितरित किये जाने का लक्ष्य है। (iv) चिन्हित समस्त शहरी पथ विक्रेताओं हेतु सहायता के अन्तर्गत 20393 वेण्डरों को पहचान पत्र एवं वेण्डिंग सर्टिफिकेट वितरित करने का लक्ष्य है। (v) शहरी निराश्रितों हेतु 04 आश्रय का का निर्माण स्वीकृत तथा 03 आश्रयों का निर्माण पूर्ण किये जाने का लक्ष्य है।	(i) शहरी गरीब परिवारों की गरीबी और भेद्यता को कम करने के लिए उन्हें सक्षम वैतनिक और कुशल मजदूरी रोजगार के अवसर प्रदान कर उनकी आजीविका में सराहनीय सुधार होगा। **(ii)** राज्य में शहरी क्षेत्रों में रहे गरीब महिलाओं को स्वयं सहायता समूह क्षेत्र स्तरीय नगर स्तरीय संघ के माध्यम से उनकी आजीविका में सुधार होगी। **(iii)** कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से बेरोजगारों हेतु मांगानुरूप प्रशिक्षण आयेजित कर 50 प्रतिशत लाभार्थियों को रोजगार/स्वरोजगार तथा उनकी आजीविका में सुधार होगा। **(iv)** संस्थागत ऋण उपलब्ध होगा एवं सामाजिक सुरक्षा तथा स्वरोजगार के माध्यम से शहरी गरीबों का आजीविका के स्तर को बढ़ावा मिलेगा। **(v)** शहरी पथ विक्रेताओं की आजीविका हेंतु उन्हे उपयुक्त स्थान, सामाजिक सुरक्षा।	2021–22

शहरी विकास विभाग– अमृत मिशन (अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन) एस0डी0जी0: **SDG – 6, 11**

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	प्रस्तावित आउट–ले राजस्व	प्रस्तावित आउट–ले पूंजीगत	01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
2	अमृत मिशन (अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन)	अमृत मिशन का का उद्देश्य (1) यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक परिवार को नल सहित निश्चित जलापूर्ति व सीवरेज कनैक्शन सुलभ हो (ii) बाढ़ को कम करने और समाप्त करने के उद्देष्य से नालों व वर्शा जल नालों का निर्माण और सुधार (2) हरित क्षेत्र और सुव्यवस्थित खुले मैदान (अर्थात पार्क) विकसित करके शहरों की भव्यता में वृद्धि करना और (3) गैर–मोटरीकृत परिवहन (अथात् पैदल चलना और साईकिल चलाना) के लिए सुविधाओं के निर्माण अथवा सार्वजनिक परिवहन को अपनाकर प्रदूशण को कम करना है।	2000.00	7537.50	अमृत योजना अंतर्गत दिनाक 1.4.2020 तक 39 योजनाएं रू0 55.89 करोड़ की पूर्ण थी। 103 योजनाएं रू0 498.07 करोड की गतिमान थी। 05 योजनाएं रू0 26.04 करोड़ की योजनाऐं टेण्डर प्रक्रिया में गतिमान थी एवम 03 योजनाएं रू0 13.02 के शाशनादेश जारी नहीं हुये थे।	अमृत योजना अंतर्गत दिनाक 31–3–2021 तक 70 योजनाएं रू0 155.00 करोड़ की पूर्ण पूर्ण होने की सम्भावनाये है। एवं 81 योजनाएं रू0 437.92 की योजनाए प्रगति पर होनी प्रस्तावित है।	• यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर घर में पानी की आपूर्ति और सीवरेज कनेक्शन हो। • प्रत्यक्ष जल आपूर्ति कनेक्शन का 88 प्रतिशत् घरेलू स्तर का कवरेज। • जल आपूर्ति की 133 LPCD प्रतिशत् गुणवत्ता, कुल जल कनेक्शन अब तक 62332 • जल निकास सेवाओं का 100 प्रतिशत् कवरेज। • सीवरेज नेटवर्क सेवाओं का 57 प्रतिशत् कवरेज। • सीवरेज के संग्रह की 100 प्रतिशत् दक्षता। कुल सीवरेज कनेक्शन–28806 • तुफान जल निकासी नेटवर्क का 42 प्रतिशत् कवरेज। हरियाली और अच्छी तरह से बनाए रखने वाले खुले स्थानों (जैसे पार्कों) को विकसित करके शहरों की एमेनिटी वैल्यू बढ़ाये, कुल पार्क–44.	• यह सुविधा सार्वजनिक स्वास्थ्य के रखरखाव के लिए महत्वपूर्ण है। • जलापूर्ति से आवासीय क्षेत्रों को पीने योग्य स्वच्छ जल उपलब्ध होता है एवं पर्याप्त पानी की कमी के कारण होने वाली परेशानियों से बचा जा सकता है। • जल निकास सेवाओं द्वारा आवासीय क्षेत्रो एवं शहरों में बरसात के पानी का सही ढंग से निकास होता है। जिससे मार्गों पर पानी इक्कट्ठा नहीं होता है। • अपशिष्ट जल प्रणाली का मुख्य लाभ यह है कि सीवरेज के कारण शहर में होने वाली गन्दगी नही होती है। • पार्क आस–पास के क्षेत्रों को पैदल चलने एवं लोकप्रिय खेलों के लिए स्थान प्रदान करते हुए अधिक सुखद बनाते है जिससे शारीरिक गति विधियों को बढावा मिलता है।	2021–22

शहरी विकास विभाग– जल जीवन मिशन (शहरी) एस0डी0जी0: **SDG – 6, 11**

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	प्रस्तावित आउट–ले		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
3	जल जीवन मिशन(शहरी)	योजनान्तर्गत समस्त नगर निकायों में पेयजल व्यवस्था, प्रत्येक घर में पानी का कनेक्शन/पानी के मीटर लगाये जाने हैं। अमृत शहरों में द्रव्य अपशिष्ट प्रबन्धन(Liquid waste management) का कार्य किया जाना है।	1507.50	1507.50	–	–	योजनान्तर्गत समस्त नगरों में पेयजल व्यवस्था/पानी के कनेक्शन/पाईपलाईन आदि का सर्वेक्षण कराकर परियोजना की डी0पी0आर0 तैयार करायी जायेगी।	योजनान्तर्गत समस्त नगर निकायों में पेयजल व्यवस्था, प्रत्येक घर में पानी का कनेक्शन/पानी के मीटर लगाये जाने हैं। अमृत शहरों में द्रव्य अपशिष्ट प्रबन्धनका कार्य किया जायेगा।	2021–22

शहरी विकास विभाग– प्रधानमंत्री आवास योजना –सबके लिए आवास (शहरी) एस0डी0जी0: **SDG –11**

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
4	प्रधानमंत्री आवास योजना –सबके लिए आवास (शहरी)	प्रधानमन्त्री आवास परियोजना अन्तर्गत सभी नगर निकायों में निवासरत लोगों को बेहतर सुख सुविधाओं के साथ आवास उपलब्ध कराना है। इस योजनान्र्तगत जिनके व्यक्तियों के पास अपना आवास नही है तथा जीर्ण–शीर्ण दशाओं में रहते है की दशा में सुधार करने के लिये एक दृष्टिकोण अपनाते हुए लाभान्वित करते हुए बुनियादी अवस्थापना सुविधाएं जैसेः–बेहतर समेकित विकास, जलापूर्ति–सफाई सुविधा, आदि उपलब्ध करने प्रयास करना है।	16630.00	0	981 आवास पूर्ण है।	2500 आवास पूर्ण ।	योजना अंतर्गत लाभार्थी आधारित घटक अंतर्गत 1605 आवासों को पूर्ण करते हुए 7000 आवासों पर कार्य प्रगति पर है। भागीदारी में किफायती आवास घटक अंतर्गत 464 आवासों को पूर्ण कर लाभार्थियों को आवंटन कर दिया गया है। व 13180 आवासों की स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त कर ली गई है।	• इन परियोजना के अन्तर्गत आवासों का निर्माण करते हुए शहरी क्षेत्र में लोगो को अपना आवास तथा बुनियादी अवस्थापना सुविधाएं जैसे–बेहतर समेकित विकास, जलापूर्ति–सफाई सुविधा, आदि उपलब्ध होगी	2021–22

शहरी विकास विभाग– स्वच्छ भारत मिशन(शहरी) — एस0डी0जी0: **SDG – 6, 11 एवं 12**

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
5	स्वच्छ भारत मिशन	''खुले में शौच'' की प्रवृत्ति का उन्मूलन। आधुनिक और वैज्ञानिक ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन। स्वच्छता से सम्बन्धित जन व्यवहार में परिवर्तन एवं स्वच्छता के प्रति तथा स्वच्छता के सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जागरूकता लाना। नगर निकायों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की क्षमता अभिवृद्धि। उपरोक्त क्षेत्रों में पूंजीगत निवेश (Capex) अथवा संचालन एवं रखरखाव (O&M) जैसे क्षेत्रों में निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना।	1507.50	2010.00	16000 शौचालय पूर्ण निर्मित। 1213 सीट के सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय पूर्ण। 300 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय पूर्ण निर्मि। कुल 1190 वार्डों में डोर टू डोर कूड़ा एकत्र किया जा रहा है। 2 शहरों देहरादून एवं हरिद्वार में SWM प्लांट संचालित हैं। जिसमें 05 शहरों का कूड़ा प्रसंस्करण हो रहा है।	24000 शौचालय पूर्ण निर्मित। 1700 सीट के सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय पूर्ण। 450 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय का निर्माण। कुल 1190 वार्डों में से घर–घर कूड़ा एकत्र किया जा रहा है तथा 1100 वार्डों में सोर्स सेग्रीगेशन किया। 46 निकायों में ठोस प्रबन्धन प्रबंधन संयंत्र निर्माण प्रस्तावित है।	6390 शौचालय का निर्माण। 600 सीट के सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय का निर्माण। 500 सीट के सार्वजनिक मूत्रालय का निर्माण। ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन की गैप फन्डिग। 46 निकायों में ठोस प्रबन्धन संयंत्र निर्माण का कार्य 60 प्रतिशत पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।	जिन घरों में शौचालय नहीं थे उन घरों में शौचालय का निर्माण। नगरों में खुले में शौच की प्रवृत्ति का उन्मूलन। नगरों में स्वच्छता और सफाई की सुनिश्चिता। ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक रूप से निस्तारण। नगरों में स्वच्छता और सफाई की सुनिश्चिता। ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक रूप से निस्तारण।	2021–22

शहरी विकास विभाग– स्मार्ट सिटी योजना — एस0डी0जी0: **SDG – 6, 11 एवं 12**

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
6	स्मार्ट सिटी योजना	स्मार्ट सिटी के अर्न्तगत देहरादून का शहर का चयन किया जाना प्रस्तावित है, जिसके अर्न्तगत शहर सुनियोजित विकास किया जायेगा	1158.33	15375.00	परियोजनान्तर्गत 04 स्मार्ट टायलेटों, तथा 06 वाटर ए0टी0एम0 की स्थापना। 120 मीटर सिवर लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण, पल्टन बाजार विकास का कार्य प्रगति पर है तथा इन्ट्रीग्रेटेड कमांड कन्ट्रोल सेन्टर की स्थापना, 06 वेरियेबल मैसेल साईन बोर्ड, 03 एनवायरमेंट सेन्सर, 35 सर्विलेंस कैमरा स्थापित किया गया तथा	परियोजनान्तर्गत 15 स्थानों पर वाटर एटीमए का स्थापन, सीवरेज व पेयजल का कार्य 60% पूर्ण। पल्टन बाजार का विकास कार्य प्रगति पर है। स्मार्ट रोड़ परियोजना अन्तर्गत कुल 6.80 कि0मी0 का कार्य पूर्ण एवं EC रोड़ का कार्य सम्पन्न हो चुका है। दून स्मार्ट लाईब्रेरी का कार्य 33% पूर्ण, इलैक्ट्रिक बस परियोजनान्तर्गत डिपो निर्माण कार्य प्रगति पर है। परेड ग्राउण्ड	वाटर एटीमए का स्थापन, सीवरेज व पेयजल का कार्य 100% पूर्ण किया जाना। पल्टन बाजार का विकास कार्य पूर्ण किया जाना है। स्मार्ट रोड़ परियोजना अन्तर्गत 100% कार्य पूर्ण किया जायेगा। परेड ग्राउण्ड रेजुवनेशन के अन्तर्गत बाहरी ड्रेनेज, आंतरिक ड्रेनेज तथा रेन हार्वेस्टिंग का कार्य 100% पूर्ण कर लिया जायेगा। योजनान्तर्गत पेयजल, सीवरेज एवं यातायात हेतु प्रस्तावित	देहरादून नगर का सुनियोजित विकास होगा जिससे बेहतर पेयजल व्यवस्था सीवरेज, यातायात की सुविधा निवासियों को उपलब्ध होगी।	2021–22

					इन्टेलिजेंट पोल स्थापित किये जा रहें है।	रेजुवनेशन के अन्तर्गत प्रस्तावित वी0आई0पी0 स्टेज एवं परेड हेतु मार्ग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, बाहरी ड्रेनेज का कार्य 710 मी0 तथा आंतरिक ड्रेनेज का कार्य 765 मी0 एवं रेन हार्वेस्टिंग का कार्य 75% पूर्ण हो चुका है। शेष कार्य प्रगति पर है।	परियोजनाओं का और अधिक विस्तार करते हुए निर्माण कार्यों में प्रगति प्रस्तावित है।		
	स्मार्ट सिटी योजना **(CITIIS Projects)**	स्मार्ट सिटी के अर्न्तगत देहरादून का शहर का चयन किया जाना प्रस्तावित है, जिसके अर्न्तगत शहर सुनियोजित विकास किया जायेगा	167.28	2040.00	परियोजनान्तर्गत 04 स्मार्ट टायलेटों, 06 वाटर ए0टी0एम0 का निर्माण तथा 03 स्मार्ट स्कूलों में लाइब्रेरी की स्थापना। DSCL द्वारा हाल ही में संशाधन निर्माण योजना तैयार की गयी थी जिसे हाल ही बोर्ड बैठक के समक्ष रखा गया था। जलवायु परिवर्तन की रोकथाम हेतु इलैक्ट्रिक बसों का संचालन, छतों पर सौर ऊर्जा संरक्षण तथा ग्रीन बिल्डिंग योजना पर कार्य प्रारम्भ किया गया। योजनान्तर्गत देहरादून शहर में घंटाघर के समीप 10 वार्डों में एबीडी क्षेत्र को विकसित एवं परिवर्तित किया जा रहा है।	03 स्मार्ट स्कूलों में सिविल, इलैक्ट्रिकल एवं आई0टी0 का कार्य 100% पूर्ण एवं स्मार्ट स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस प्रारम्भ हो गई है। जलवायु परिवर्तन की रोकथाम हेतु इलैक्ट्रिक बसों का 85% संचालन, छतों पर सौर ऊर्जा का 100% संरक्षण तथा ग्रीन बिल्डिंग योजना पर 10% कार्य प्रारम्भ किया गया। DICCC सेन्टर का 82% निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। योजनान्तर्गत देहरादून शहर में घंटाघर के समीप 10 वार्डों में एबीडी क्षेत्र को विकसित एवं परिवर्तित किया जा रहा है।	परियोजनान्तर्गत समस्त स्मार्ट स्कूलों का कार्य 100% एवं स्मार्ट लाईब्रेरी का निर्माण कार्य 100% पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। जलवायु परिवर्तन की रोकथाम हेतु इलैक्ट्रिक बसों का 100% संचालन, तथा ग्रीन बिल्डिंग योजना पर 50% कार्य, DICCC सेन्टर का 100% निर्माण कार्य पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। योजनान्तर्गत देहरादून शहर में घंटाघर के समीप 10 वार्डों में एबीडी क्षेत्र को विकसित एवं परिवर्तित किया जा रहा है।	देहरादून नगर का सुनियोजित विकास होगा जिससे बेहतर पेयजल व्यवस्था सीवरेज, यातायात की सुविधा के साथ–साथ उच्च गुणवत्ता की शिक्षा एवं स्वच्छ पर्यावरण निवासियों को उपलब्ध होगी।	

शहरी विकास विभाग– (बाह्य सहायतित परियोजना) नगरीय अवस्थापना का सुदृढ़ीकरण व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान एस0डी0जी0: **SDG – 6, 11 एवं 12**

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	प्रस्तावित आउट ले		01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
7	(बाह्य सहायतित परियोजना) नगरीय अवस्थापना का सुदृढ़ीकरण	1. परियोजना– उत्तराखण्ड शहरी क्षेत्र विकास निवेश कार्यक्रम–2 (उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवेलपमेंट इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम–2)'' एशियन डेवेलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण उत्तराखण्ड राज्य के देहरादून, हरिद्वार,	3175.00	12100.00	1. परियोजना– उत्तराखण्ड शहरी क्षेत्र विकास निवेश कार्यक्रम–2 (उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवेलपमेंट इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम–2)'' एशियन डेवेलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण	1. परियोजना– उत्तराखण्ड शहरी क्षेत्र विकास निवेश कार्यक्रम–2 (उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवेलपमेंट इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम–2)'' एशियन डेवेलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण	1. परियोजना– उत्तराखण्ड शहरी क्षेत्र विकास निवेश कार्यक्रम–2 (उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवेलपमेंट इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम–2)'' एशियन डेवेलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण	1. परियोजना– उत्तराखण्ड शहरी क्षेत्र विकास निवेश कार्यक्रम–2 (उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवेलपमेंट इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम–2)'' एशियन डेवेलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण उत्तराखण्ड के शहरी क्षेत्रों में स्थायी, सक्षम और उत्तरदायी सेवाओं के	2021–22

	व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	हल्द्वानी, रूड़की, कोटद्वार, नैनीताल, और रामनगर में पेयजल अपव्यय तथा क्षरण में कमी किए जाने हेतु पेयजल सम्बन्धित कार्य किए जायेंगे। व्यापक ठोस अपशिष्ट प्रणाली को स्थापित किया जायेगा। यातायात प्रबन्धन के सुधार कार्य किए जायेंगे। सीवरेज सम्बन्धित विकास कार्य किए जायेंगे। 2. परियोजना–''मध्यम श्रेणी के नगर निकायों में शहरी अवस्थापना विकास (अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवेलपमेन्ट ऑफ सेकेन्डरी टाऊन)'' एशियन डेवेलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण उत्तराखण्ड राज्य के विकासनगर, डोईवाला, काशीपुर, रूद्रपुर एवं पिथौरागढ .आधारभूत प्राथमिक शहरी सेवाओं (24ग7 पेयजल, जल–मल प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, बरसाती जल प्रबंधन, शहरी सड़क और यातायात सुधार आदि कार्य किए जायेंगे।			नवीन ए0डी0बी0 ऋण की परियोजना हेतु चयनित शहरों के डी0पी0आर0/ आई0ई0ई0/आर0पी0 व अन्य अभिलेखों हेतु कार्य प्रगति पर है। 2. परियोजना–''मध्यम श्रेणी के नगर निकायों में शहरी अवस्थापना विकास (अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवेलपमेन्ट ऑफ सेकेन्डरी टाऊन)'' एशियन डेवेलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण मध्यम श्रेणी के नगर निकायों के शहरी अवस्थापना विकास ऋण की परियोजना हेतु चयनित शहरों के डी0पी0आर0/ आई0ई0ई0/आर0पी0 व अन्य अभिलेखों हेतु कार्य प्रगति पर है।	प्रथम चरण हेतु लगभग US$ 120 (रू0 900 करोड़) की डी0पी0आर0 ए0डी0बी0 को प्रेषित की जा चुकी हैं। प्रथम चरण में प्रस्तावित योजनाऐं निम्नानुसार हैं– • देहरादून नगर की कुल 111881 जनमानस को पेयजल, सीवरेज तथा ड्रेनेज आदि मूलभूत सुविधाओं का लाभ प्रदान किये जाने हेतु कुल राशि Million US$ 109.50 (रू0 827.81 करोड़) की योजना प्रस्तावित हैं। • नैनीताल नगर की कुल 135154 जनमानस को पेयजल, सीवरेज आदि मूलभूत सुविधाओं का लाभ प्रदान किये जाने हेतु कुल राशि Million US$ 14.28 (रू0 107.90 करोड़) की योजना प्रस्तावित हैं। ए0डी0बी0 से अग्रिम अनुबंध (Advance Contracting) की अनुमति प्राप्त की जा चुकी है। प्रथम चरण के कार्यों हेतु 03 सब प्रोजेक्ट्स (लगभग रू0 483 करोड़) की निविदाऐं जनवरी 2021 में प्रकाशित की जा चुकी हैं व शेष 03 सब प्रोजेक्ट्स (लगभग रू0 450 करोड़) की निविदायें ए0डी0बी0 से अनुमति मिलने के पश्चात् प्रकाशित की जायेंगी। ए0डी0बी0 के साथ निरन्तर	देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी, रूड़की, कोटद्वार, नैनीताल, और रामनगर में पेयजल अपव्यय तथा क्षरण में कमी किए जाने हेतु पेयजल सम्बन्धित कार्य किए जायेंगे। व्यापक ठोस अपशिष्ट प्रणाली को स्थापित किया जायेगा। यातायात प्रबन्धन के सुधार कार्य किए जायेंगे। सीवरेज सम्बन्धित विकास कार्य किए जायेंगे। जन–जागरूकता तथा सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। जल अपव्यय को रोकने तथा सीवरेज के प्रबन्धन हेतु सम्बन्धित कर्मचारियों, अभियन्ताओं आदि हेतु क्षमता–वर्धन कार्यशालाओं का आयोजन। बेहतर राजस्व संकलन हेतु सुनियोजित व व्यवस्थित रूपरेखा के अनुसार संचालन एवं रखरखाव का कार्य किया जायेगा। 2. परियोजना–''मध्यम श्रेणी के नगर निकायों में शहरी अवस्थापना विकास (अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवेलपमेन्ट ऑफ सेकेन्डरी टाऊन)'' एशियन डेवेलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण प्रथम चरण में तीन जिलों (देहरादून, पिथौरागढ़, उधम सिंह नगर) के पांच नगर निकायों (डोईवाला, विकासनगर, पिथौरागढ़, काशीपुर, रूद्रपुर) में	प्रतिपादन हेतु कार्य किया जाना, पर्यावरणीय स्थिरता को आसान बनाना इस परियोजना का समग्र उद्देश्य है। तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण विकास कार्यों में आने वाले अंतरालों की पहचान कर पहले से तैयार सभी बुनियादी अवस्थापनों को एकीकृत किया जाना। आधारभूत प्राथमिक शहरी सेवाओं (24X7) पेयजल, जल–मल प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, बरसाती जल प्रबंधन, शहरी सड़क और यातायात सुधार आदि) में शहरी जीवनशैली के स्तर अनुसार गुणवत्तापूर्ण सुधार। निकट भविष्य में नगरीय जनसंख्या के दबाव सहने योग्य तथा आकांक्षाओं पर खरा उतरने हेतु, सभी पर्याप्त सुविधाओं से सुसज्जित, सुनियोजित तंत्र का निर्माण करना। परियोजना के अन्तर्गत नगरों में स्वचालित स्काडा तकनीक के द्वारा चौबीस घंटे पानी की सुविधा प्राप्त होगी, घरों में पेयजल मीटर लगाये जायेंगे ताकि पानी के अपव्यय को कम किया जा सके।	

						वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोन प्रक्रिया एवं अग्रिम अनुबन्ध पर वार्ता प्रगति पर है।	24x7 पेयजल, अपशिष्ट जल प्रबन्धन, बरसाती जल प्रबन्धन, शहरी सड़कें, यातायात और पार्किंग, वैंडिंग जोन, सूचना संपर्क तकनीकी और ओपन स्पेस जैसे कार्य किए जायेंगे।		

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप

आउटकम बजट 2021 – 22

शहरी विकास विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित एस0डी0जी0: SDG-1

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूपः– दीनदयाल अन्त्योदय योजना–राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY NULM)

क्र0	(SDG) संकेतक	01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22
	No of homeless house hold. Functional SHGs to total SHGs formed. Share of credit linked SHGs under NULM to total SHGs.	(i) सामाजिक संगठन एवं संस्था विकास के अन्तर्गत 284 महिला स्वयं सहायता समूहों एवं 02 क्षेत्र स्तरीय संघ का गठन 2840 महिलाओं का आजीविका संवर्द्धन। (ii) स्व–रोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत 832 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया गया। (iii) शहरी पथ विक्रेताओं हेतु सहायता के अन्तर्गत 14210 वेण्डर को पहचान पत्र वितरित। (iv) शहरी निराश्रितों हेतु 14 आश्रय का का निर्माण स्वीकृत जिसके सापेक्ष 10 आश्रयों का संचालन, 01 का निर्माण पूर्ण व 03 निर्माणाधीन	(i) सामाजिक संगठन एवं संस्था विकास के अन्तर्गत 430 महिला स्वयं सहायता समूहों एवं 13 क्षेत्र स्तरीय संघ का गठन 4300 महिलाओं का आजीविका संवर्द्धन। (ii) स्व–रोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत 870 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया गया। (iii) शहरी पथ विक्रेताओं हेतु सहायता के अन्तर्गत 19783 वेण्डर को पहचान पत्र वितरित। (iv) शहरी निराश्रितों हेतु 14 आश्रय का का निर्माण स्वीकृत जिसके सापेक्ष 10 आश्रयों का संचालन, 01 आश्रय नगर निगम देहरदून का संचालन प्रारम्भ व 03 निर्माणाधीन।	(i) सामाजिक संगठन एवं संस्था विकास के अन्तर्गत 300 महिला स्वयं सहायता समूहों एवं 12 क्षेत्र स्तरीय संघ का गठन 3000 महिलाओं का आजीविका संवर्द्धन। (ii) स्व–रोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत 900 लाभार्थियों को ऋण वितरित किये जाने का लक्ष्य है। (iii) चिन्हित समस्त शहरी पथ विक्रेताओं हेतु सहायता के अन्तर्गत 20393 वेण्डरों को पहचान पत्र एवं वेण्डिंग सर्टिफिकेट वितरित करने का लक्ष्य है। (iv) शहरी निराश्रितों हेतु 04 आश्रय का का निर्माण स्वीकृत तथा 03 आश्रयों का निर्माण पूर्ण किये जाने का लक्ष्य है।	(i) राज्य में शहरी क्षेत्रों में रहे गरीब मलिाओं को स्वयं सहायता समूह क्षेत्र स्तरीय नगर स्तरीय संघ के माध्यम से उनकी आजीविका में सुधार होगी। (ii) कौशल विकास प्रशिक्षणें के माध्यम से बेरोजगारों हेतु मांगानुरूप प्रशिक्षण आयेजित कर 50 प्रतिशत लाभाथियों को रोजगार/स्वरोजगार तथा उनकी आजीविका में सुधार होगा। (iii) संस्थागत ऋण उपलब्ध होगा एवं सामालिक सुरक्षा तथा स्वरोजगार के माध्यम से शहरी गरीबों का आजीविका के स्तर को बढ़ावा मिलेगा। (iv) शहरी पथ विक्रेताओं की आजीविका हेंतु उन्हे उपयुक्त स्थान, सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध होगी।

आउटकम बजट 2021 – 22

शहरी विकास विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित एस0डी0जी0: SDG-6,11

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूपः– अमृत मिशन (अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन)

क्र0	(SDG) संकेतक	01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22
3	No. Of cities covered/ investment: अमृत योजना अन्तर्गत 07 शहरों हेतु (देहरादून, हरिद्वार, रूडकी, काशीपुर, हल्द्वानी–काठगोदाम, रूद्रपुर, नैनीताल) में रू0 593.02 करोड़ की कुल 151 योजनाए (सीवरेज, पेयजल योजना, ड्रेनेज, पार्क निर्माण योजना) का परिव्यय No. Of low-cost houses for EWS Fuel ffficient public transport system (investment and number) वर्तमान में लागु नहीं है. No. of cities with waste management and sewage treatment plants. वर्तमान मे 05 शहरों देहरादून,काशीपुर,हल्द्वानी,एवं नैनीताल में STP एवम रुद्रपुर में FSTP का कार्य गतिमान है.	• अमृत योजना अंतर्गत दिनाक 1. 4.2020 तक 39 योजनाएं रू0 55.89 करोड़ की पूर्ण थी। • 103 योजनाएं रू0 498.07 करोड की गतिमान थी। • 05 योजनाएं रू0 26.04 करोड़ की योजनाऐं टेण्डर प्रक्रिया में गतिमान थी। एवम 03 योजनाएं रू0 13.02 के शाशनादेश जारी नहीं हुये थे। .	अमृत योजना अंतर्गत दिनाक 31. 3.2021 तक 70 योजनाएं रू0 155.00 करोड़ की पूर्ण पूर्ण होने की सम्भावनाये है। एवं 81 योजनाएं रू0 437.92 की योजनाए प्रगति पर होनी प्रस्तावित है।	• यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर घर में पानी की आपूर्ति और सीवरेज कनेक्शन हो। • प्रत्यक्ष जल आपूर्ति कनेक्शन का 88 प्रतिशत् घरेलू स्तर का कवरेज। • जल आपूर्ति की 133 LPCD प्रतिशत् गुणवत्ता, कुल जल कनेक्शन अब तक 62332 • जल निकास सेवाओं का 100 प्रतिशत् कवरेज। • सीवरेज नेटवर्क सेवाओं का 57 प्रतिशत् कवरेज। • सीवरेज के संग्रह की 100 प्रतिशत् दक्षता। कुल सीवरेज कनेक्शन–28806 • तुफान जल निकासी नेटवर्क का 42 प्रतिशत् कवरेज। हरियाली और अच्छी तरह से बनाए रखने वाले खुले स्थानों (जैसे पार्कों) को विकसित करके शहरों की एमेनिटी वैल्यू बढ़ाये, कुल पार्क–44.	• यहा सुविधा सार्वजनिक स्वास्थ्य के रखरखाव के लिए महत्तवपूर्ण है। • जलापूर्ति से आवासीय क्षेत्रों को पीने योग्य स्वच्छ जल उपलब्ध होता है एवं पर्याप्त पानी की कमी के कारण होने वाली परेशानीयों से बचा जा सकता है। • छितरी हुई आवास क्षेत्रों के लिए प्रत्यक्ष जल आपूर्ति कनेक्शन उपयुक्त और प्रभावी है। • जल निकास सेवाओं द्वारा आवासीय क्षेत्रो एवं शहरों में बरसात के पानी का सही ढंग से होता है। जिससे मार्गों पर पानी इक्कटठा नहीं होता है। • सीवरेज प्रणाली के संचालन से भूजल के अधिक प्रदूषण होने का कोई प्रभाव नही पडता है। • अपशिष्ट जल प्रणाली का मुख्य लाभ यह है कि सीवरेज के कारण शहर में होने वाली गन्दगी नही होती है। • पार्क आस–पास के क्षेत्रों को पैदल चलने एवं लोक प्रिय खेलों के लिए स्थान प्रदान करने के लिए अधिक सुखद बनाते है जिससे शारीरिक गतिविधियों को बढावा मिलता है। • पेड हवा से विभिन्न प्रकार के प्रदूषको को निकालते है यह पार्क बच्चों को पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी प्रणालियों के संरक्षण के महत्व के बारे में सिखाते है।

आउटकम बजट 2021 – 22

शहरी विकास विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित एस0डी0जी0: **SDG-11**

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूपः– प्रधानमंत्री आवास योजना –सबके लिए आवास (शहरी)

क्र0	**(SDG)** संकेतक	01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22
	GOAL 11 : SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES : Make cities and human settlements inclusive, safe, resilient and sustainable	981 आवास पूर्ण है।	2500 आवास पूर्ण।	• योजना अंतर्गत लाभार्थी आधारित घटक अंतर्गत 1605 आवासों को पूर्ण करते हुए 7000 आवासों पर कार्य प्रगति पर है। • भागीदारी में किफायती आवास घटक अंतर्गत 464 आवासों को पूर्ण कर लाभार्थियों को आवंटन कर दिया गया है। व 13180 आवासों की स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त कर ली गई है।	• इन परियोजना के अन्तर्गत आवासों का निर्माण करते हुए शहरी क्षेत्र में लोगों को अपना आवास तथा बुनियादी अवस्थापना सुविधाएं जैसे–बेहतर समेकित विकास, जलापूर्ति–सफाई सुविधा, आदि उपलब्ध होगी

शहरी विकास विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित एस0डी0जी0: **SDG-06, 11, 12**

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूपः– स्वच्छ भारत मिशन

क्र0	**(SDG)** संकेतक	01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22
1	ठोस प्रबन्धन संयंत्र वाले शहरों की संख्या।	2 शहरों देहरादून एवं हरिद्वार में SWM प्लांट संचालित हैं। जिसमें 05 शहरों का कूड़ा प्रसंस्करण हो रहा है।	46 निकायों में ठोस प्रबन्धन प्रबंधन संयंत्र निर्माण प्रस्तावित है।	46 निकायों में ठोस प्रबन्धन संयंत्र निर्माण का कार्य 60 प्रतिशत पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।	• नगरों में स्वच्छता और सफाई की सुनिश्चिता। ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक रूप से निस्तारण।
2	100 प्रतिशत् डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के साथ वार्ड का प्रतिशत	100 %	100 %	समस्त 1190 वार्डों में डोर टू डोर कूड़ा एकत्रीकरण प्रारम्भ। इसको और अधिक सशक्त किया जाना प्रस्तावित है।	• नगरों में स्वच्छता और सफाई की सुनिश्चिता।

आउटकम बजट 2021 – 22

शहरी विकास विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित एस0डी0जी0: **SDG-06, 11, 12**

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूपः–(बाह्य सहायतित परियोजना) नगरीय अवस्थापना का सुदृढ़ीकरण व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान

क्र0	**(SDG)** संकेतक	01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22
	Improved access to water supply system. & Improved access to sewerage system	1.परियोजनान्तर्गत प्रस्तावित वित्त पोषण नवीन ए0डी0बी0 ऋण की परियोजना हेतु चयनित शहरों के डी0पी0आर0 / आई0ई0ई0 / आर0पी0 व अन्य अभिलेखों हेतु कार्य प्रगति पर है। (अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवेलपमेन्ट ऑफ सेकेन्डरी टाऊन)'' के अन्तर्गत एशियन डेवेलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण मध्यम श्रेणी के नगर निकायों के शहरी अवस्थापना विकास ऋण की परियोजना हेतु चयनित शहरों के डी0पी0आर0 / आई0ई0ई0 / आर0पी0 व अन्य अभिलेखों हेतु कार्य प्रगति पर है।	1. परियोजनान्तर्गत एशियन डेवेलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण प्रथम चरण हेतु लगभग US$ 120 (रू0 900 करोड़) की डी0पी0आर0 ए0डी0बी0 को प्रेषित की जा चुकी हैं। प्रथम चरण में प्रस्तावित योजनाऐं निम्नानुसार हैं– • देहरादून नगर की कुल 111881 जनमानस को पेयजल, सीवरेज तथा ड्रेनेज आदि मूलभूत सुविधाओं का लाभ प्रदान किये जाने हेतु कुल राशि Million US$ 109.50 (रू0 827.81 करोड़) की योजना प्रस्तावित हैं। • नैनीताल नगर की कुल 135154 जनमानस को पेयजल, सीवरेज आदि मूलभूत सुविधाओं का लाभ प्रदान किये जाने हेतु कुल राशि Million US$ 14.28 (रू0 107.90 करोड़) की योजना प्रस्तावित हैं। ए0डी0बी0 से अग्रिम अनुबंध (Advance Contracting) की अनुमति प्राप्त की जा चुकी है। प्रथम चरण के कार्यों हेतु 03 सब प्रोजेक्ट्स (लगभग रू0 483 करोड़) की निविदाऐं जनवरी 2021 में प्रकाशित की जा चुकी हैं व शेष 03 सब प्रोजेक्ट्स (लगभग रू0 450 करोड़) की निविदायें ए0डी0बी0 से अनुमति मिलने के पश्चात् प्रकाशित की जायेंगी। ए0डी0बी0 के साथ निरन्तर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोन प्रक्रिया एवं अग्रिम अनुबन्ध पर वार्ता प्रगति पर है।	1. परियोजना– (उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवेलपमेंट इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम–2)'' एशियन डेवेलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी, रूड़की, कोटद्वार, नैनीताल, और रामनगर में पेयजल अपव्यय तथा क्षरण में कमी किए जाने हेतु पेयजल सम्बन्धित कार्य, व्यापक ठोस अपशिष्ट प्रणाली को स्थापित, यातायात प्रबन्धन के सुधार कार्य, सीवरेज सम्बन्धित विकास कार्य, जल अपव्यय को रोकने सम्बन्धित कार्य किये जायेगें तथा सीवरेज के प्रबन्धन हेतु सम्बन्धित कर्मचारियों, अभियन्ताओं आदि हेतु क्षमता–वर्धन कार्यशालाओं का आयोजन।2. परियोजना– ''(अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवेलप मेन्ट ऑफ सेकेन्डरी टाऊन)'' (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण–प्रथम चरण में तीन जिलों (देहरादून, पिथौरागढ़, उधम सिंह नगर) के पांच नगर निकायों(डोईवाला, विकासनगर, पिथौरागढ़, काशीपुर, रूद्रपुर) में 24x7 पेयजल, अपशिष्ट जल प्रबन्धन, बरसाती जल प्रबन्धन, शहरी सड़कें, यातायात और पार्किंग, वैंडिंग जोन, सूचना संपर्क तकनीकी और ओपन स्पेस जैसे कार्य किए जायेंगे।	2. परियोजना–''मध्यम श्रेणी के नगर निकायों में शहरी अवस्थापना विकास (अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवेलपमेन्ट ऑफ सेकेन्डरी टाऊन)'' –एशियन डेवेलपमेंट बैंक (ADB) द्वारा प्रस्तावित वित्त पोषण– परियोजना के अन्तर्गत नगरों में स्वचालित स्काडा तकनीक के द्वारा चौबीस घंटे पानी की सुविधा प्राप्त होगी, घरों में पेयजल मीटर लगाये जायेंगे ताकि पानी के अपव्यय को कम किया जा सके। सुरक्षित, स्वस्छ और स्वस्थ पर्यावरणीय परिस्थितियों को बनाये रखने हेतु अपशिष्ट जल प्रबन्धन किया जायेगा। बरसाती पानी के प्रबन्धन हेतु विकास कार्य किये जायेंगे। वहीं सड़कों व पार्किंग का निर्माण कर यातायात प्रबन्धन का कार्य भी किया जायेगा। छोटे फुटकर व्यापारियों हेतु वैन्डिंग जोन का निर्माण किया जायेगा। नियमित स्थानीय निकाय सुदृढ़ीकरण तथा सशक्ति करण हेतु सूचना संचार तकनीकी का उपयोग किया जायेगा। इस सब अवस्थापना विकास कार्यों के फलस्वरूप नगरीय अर्थव्यवस्था में सुधार होगा तथा नागरिक विकास स्तर भी सुदृढ़ होगा।

आउटकम बजट 2021 – 22

शहरी विकास विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित एस0डी0जी0: **SDG- 11**

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूपः– स्मार्ट सिटी योजना

क्र0	**(SDG)** संकेतक	01–04–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31–03–2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22
1	टिकाऊ, शहरी और सामुदायिक विकास(Sustainable Cities and Communities) SDG-11	परियोजनान्तर्गत 04 स्मार्ट टायलेटों, 06 वाटर ए0टी0एम0 का निर्माण तथा 03 स्मार्ट स्कूलों में लाइब्रेरी की स्थापना। 120 मीटर सिवर लाईन बिछाने का कार्य पूर्ण, पल्टन बाजार विकास का कार्य प्रगति पर है तथा इन्ट्रीग्रेटेड कमांड कन्ट्रोल सेन्टर की स्थापना, 06 वेरियेबल मैसेल साईन बोर्ड, 03 एनवायरमेंट सेन्सर, 35 सर्विलेंस कैमरा स्थापित किया गया तथा इन्टेलिजेंट पोल स्थापित किये जा रहें है।	परियोजनान्तर्गत 15 स्थानों पर वाटर एटीमए का स्थापन, सीवरेज व पेयजल का कार्य 60% पूर्ण। पल्टन बाजार का विकास कार्य प्रगति पर है। स्मार्ट रोड़ परियोजना अन्तर्गत कुल 6.80 कि0मी0 का कार्य पूर्ण एवं EC रोड़ का कार्य सम्पन्न हो चुका है। दून स्मार्ट लाईब्रेरी का कार्य 33% पूर्ण, इलैक्ट्रिक बस परियोजनान्तर्गत डिपो निर्माण कार्य प्रगति पर है एवं प्रोटो बस का ट्रायलरन सभी प्रस्तावित मार्गों पर चल रहा है। 03 स्मार्ट स्कूलों में सिविल, इलैक्ट्रिकल एवं आई0टी0 का कार्य पूर्ण एवं स्मार्ट स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस प्रारम्भ हो गई है। परेड ग्राउण्ड रेजुवनेशन के अन्तर्गत प्रस्तावित वी0आई0पी0 स्टेज एवं परेड हेतु मार्ग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, बाहरी ड्रेनेज का कार्य 710 मी0 तथा आंतरिक ड्रेनेज का कार्य 765 मी0 एवं रेन हार्वेस्टिंग का कार्य 75% पूर्ण हो चुका है। शेष कार्य प्रगति पर है।	वाटर एटीमए का स्थापन, सीवरेज व पेयजल का कार्य 100% पूर्ण किया जाना। पल्टन बाजार का विकास कार्य पूर्ण किया जाना है। स्मार्ट रोड़ परियोजना अन्तर्गत 100% कार्य पूर्ण किया जायेगा। दून स्मार्ट लाईब्रेरी, इलैक्ट्रिक बस परियोजनान्तर्गत डिपो निर्माण कार्य पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है एवं 100% इलैक्ट्रिक बसों का संचालन प्रस्तावित है। परेड ग्राउण्ड रेजुवनेशन के अन्तर्गत बाहरी ड्रेनेज, आंतरिक ड्रेनेज तथा रेन हार्वेस्टिंग का कार्य 100% पूर्ण कर लिया जायेगा। योजनान्तर्गत पेयजल, सीवरेज एवं यातायात हेतु प्रस्तावित परियोजनाओं का और अधिक विस्तार करते हुए निर्माण कार्यों में प्रगति प्रस्तावित है।	➢ देहरादून नगर का सुनियोजित विकास होगा जिससे बेहतर पेयजल व्यवस्था सीवरेज, यातायात की सुविधा निवासियों को उपलब्ध होगी।